SALToC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī
OCLC: 4094931
No. 28 (Jan-Mar 2008)
TOC Provided by Center for Research Libraries

आलोचना

त्रैमासिक

सहस्राब्दी अंक *तीस*

जुलाई-सितम्बर 2008

प्रधान सम्पादक
नामवर सिंह

सम्पादक
अरुण कमल

सहसम्पादक
आर. चेतनक्रान्ति

कला सम्पादक
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक
अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

सम्पादकीय : दुनिया बनाने के लिए सब चाहिए 5

त्रिलोचन के साथ : **केदारनाथ सिंह** 7
त्रिलोचन के गाँव से : **रामजन्म शर्मा** 11

कविता, सुखानुभूति एवं नैतिकता : **राजनाथ** 15
तमिल की स्त्री-कविता : **राजश्री सी. आर.** 23
वली और उनका कलाम : **शमीम हनफ़ी** 28
नई उर्दू आलोचना के संघर्ष : **अली अहमद फ़ातमी** 44

शैलेय की कविताएँ 50

अमन का राग : **रोहिताश्व** 54
शमशेर की कविता : कलाओं की स्वर-संगति : **मधु शर्मा** 63
निराला के तुलसीदास में रत्नावली की छवि : **मधुप कुमार** 69

आलोक श्रीवास्तव की कविताएँ 73

रेहन पर रग्घू : जीवन का महाकाव्यात्मक आख्यान : **प्रेम शशांक** 76
रेहन पर आदमी : **शहनाज़ बानो** 81
'इसी दुनिया में कभी हरा रंग भी होता था भाई, वह कहाँ गया' : **उमाशंकर चौधरी** 84
काशीनामा : **कृपाशंकर चौबे** 89

रमेश प्रजापति की कविताएँ 91

कविता क्या सम्भव है : **प्रफुल्ल कोलख्यान** 93
जीवन के अनश्वर सौंदर्य की कविता : **दिनेश कुमार शुक्ल** 97
कात्यायनी : कविता की एक भरोसेमंद ललकार : **नीलेश रघुवंशी** 101
उम्मीद की चहचहाहटों से पटा जीवन : **उपेन्द्र चौहान** 105
अपनी नजर से अपनी पुतली को समझना : **शम्भु गुप्त** 108

वि-मतांतर : **प्रभाकर श्रोत्रिय** 112
मतांतर, पूर्वग्रह नहीं : **परमानन्द श्रीवास्तव** 116

रामकथा : एक पुनःपाठ : **भवदेव पांडेय** 118
एक पत्रकार का कला-कर्म : **निर्भय देवयांश** 122
रंग-क्षेत्र में बीहड़ यात्रा : **रणजीत साहा** 125
कहानी में रचनात्मक मुठभेड़ : **पल्लव** 128